पूरी कोशिशें की जाती हैं । ताकि सिर्फ वे लोग ही यूनाइटेड किंगडम जा सकें, जिन का उद्देश्य ठीक हो । ऐसे लोगों को इजाजत नहीं दी जाती जो छोटा-मोटा रोजगार पाने की तलाश में वहां जाना चाहते हैं ।

t[THE PRIME MINISTER AND MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI JAWAHARLAL NEHRU): (a) The number of Indian nationals at present in the United Kingdom is estimated to be 170,000 approximately, a little over half of whom are understood to be employed as factory workers. It is not possible to say how many of these are unemployed as no statistics are maintained in the United Kingdom about unemployment among Indian nationals.

(b) No.

(c) Passports for the United Kingdom are issued only to those persons who can prove that they have a *bona fide* purpose for visiting that

„ country, *e.g.,* medical treatment, prosecution of higher studies, tourism, etc., are well educated and have a sound financial standing. These regulations are enforced rigidly and every effort is made to tighten up the control so that only those persons who have a genuine purpose and do not seek petty employment are permitted to go to the U. K.]

सूती कपड़ा मिलों और सूत बनाने वाली मिलों में सूती कपड़े और सूत के स्टाक

३२. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश की सूती कपड़ा मिलों और सूत बनाने वाली मिलों में सूती कपड़ा और सूत भारी मात्रा में भरा पड़ा है ; और

(ख) यदि उक्त भाग (क) का उत्तर 'हां' हो तो कितना सूती कपड़ा और सूत गोदामों में बिना बिका पड़ा हुआ है और सरकार ने ऐसे स्टाक को बिकवाने में अब तक क्या सहायता दी है ?

STOCKS OF COTTON TEXTILES AND> YARN IN COTTON TEXTILES AND YARN SPINNING MILLS

32. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that large stocks of cotton textiles and yarn have piled up in cotton textile mills and yarn spinning mills in the country; and

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, what is the quantity of cotton textiles and yarn lying unsold in the godowns and the assistance so far given by Government to get such stocks Sold?]

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर) : (क) और (ख). एक विवरण साथ में नत्थी है जिसमें जनवरी, १९५८ से अब तक सूती कपड़े तथा सूत का बिना बिका स्टाक दिखाया गया है ।

सरकार ने इस स्टाक को बिकवाने में निम्न तरीकों से सहायता की है :—

(१) उत्पादन शुल्कों विशेष रूप से मध्यम दर्जे के तथा मोटे कपड़े पर लगे उत्पादन शुल्क में कमी करने तथा उन्हें युक्ति-युक्त आधार पर लाने के बारे में एक घोषणा ४ जुलाई, १९५८ को की गई ।

(२) तीन जुलाई, १९५८ को पैक की हुई, गांठों में बंधी, जो मोटी धोतियां और साड़ियां पड़ी थीं, उन्हें पुरानी दर पर निकालने की रियायत दी गयी बशर्ते कि शुल्क का भुगतान ३० सितम्बर, १९५८ को या उससे पहले कर दिया जाये ।

t[ ] English translation.

(३) जुलाई-दिसम्बर, १९५८ की लाइसेंस अवधि में मिलों द्वारा सूत का निर्यात करने की खुली छूट दे दी गयी। यही नहीं, सूत के बारे में निर्यात नीति दीर्घकालीन आधार पर अर्थात् १९६१ तक के लिये, घोषित कर दी गयी।

विवरण

जनवरी १९५८ से अब तक सूती कपड़े तथा सूत का बिना बिका स्टाक

(आंकड़े हजार गांठों में)

महीना और वर्ष	बिना बिका स्टाक	
	कपड़ा	सूत
१९५८		
जनवरी (अन्त में)	३७३	१००
फरवरी (अन्त में)	३६३	९४
मार्च (अन्त में)	३४५	११२
अप्रैल (अन्त में)	३२४	११०
मई (अन्त में)	३०८	११२
जून (अन्त में)	३४२	१०६
जुलाई (अन्त में)	३३७	८७
२ अगस्त	३२१	८१

UTHE MINISTER OP COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI LAL BAHADUR): (a) and (b). A statement showing unsold stocks of cotton textiles and yarn since January 1958 is attached.

Assistance has been given by Government in the following ways: —

(i) A reduction and rationalisation of excise duties particularly in the case of coarse and medium varieties of cloth was announced on the 4th July, 1958.

(ii) Coarse dhoties and *sarees* lying in packed bales on the 3rd July, 1958 have been allowed the concession oi clearance at the old rate provided the duty is paid on oi before the 30th September 1958.

(iii) Export of cotton yarn ty mill's has been made free fo: the licensing period July-Dec ember, 1958. Moreover, ex port policy for yarn has bee: announced on a long ten basis *i.e.,* till 1961.

STATEMENT

Unsold Stocks of Cotton Textiles and Yarn since January 1958

(Figures in '000' bales)

Month and Year	Unsold Stocks	
	Cloth	Yarn
1958		
January (at the end)	373	100
February (at the end)	363	94
March (at the end)	345	112
April (at the end)	324	110
May (at the end)	308	112
June (at the end)	342	106
July (at the end)	337	87
August 2nd	321	81

उद्योगों में अभिनवीकरण योजना का चालू किया जाना

३३. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या श्रम तथा सेवा नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में अब तक किन किन उद्योगों के कारखानों में अभिनवीकरण की योजना को चालू कर दिया गया है और यह किन अंशों में पूरी हो चुकी है ;

(ख) क्या इस योजना के चलाने से उत्पादन कुछ बढ़ा है ; और

(ग) जो श्रमिक इससे बेकार हुए, क्या वे फिर से काम पर लगा दिये गये हैं?

t [INTRODUCTION OF RATIONALISATION SCHEME IN INDUSTRIES

33. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of LABOUR AND EIV^PLOYMENT be pleased to state:

(a) which are the industries in the country where rationalisation scheme has so far been introduced in the factories and to what extent it has been completed;

(b) whether there has been any increase in production by implementing this scheme; and

(c) whether the workers rendered idle on that account have been reemployed?]

tt] English translation.

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) और (ख). अभिनवीकरण की योजना अभी केवल जूट और कपड़ा मिल उद्योगों में चालू की गई है । निश्चित सूचना कि इन उद्योगों में अभिनवीकरण यथार्थ में किस सीमा तक प्रारम्भ किया गया है, प्राप्य नहीं । इसलिये, अभिनवीकरण के परिणामस्वरूप कितना उत्पादन बढ़ा, इस का ठीक ठीक मूल्यांकन नहीं किया जा सकता ।